Printed Pages : 7 Roll No.....

M/Sem II/402

M.A. (Semester II) Examination, 2014-15

HINDI

Paper : VI

Katha Sahitya

Time : Three Hours ***Full Marks : 70***

(Write your Roll No. at the top immediately on the receipt of this question paper)

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4×10=40

(i) 'गोदान' के किसी एक मुख्य पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'झूठा सच' के आधार पर भारत-विभाजन के मूलभूत कारणों को चिन्हित कीजिए।

(iii) भारतीय उपन्यास की परिकल्पना के सन्दर्भ में 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के महत्व का विवेचन कीजिए।

(iv) शेखर के चरित्र में मौजूद अंतर्विरोधों पर विचार कीजिए।

P.T.O.

(v) 'शेखर एक जीवनी' की भाषिक संरचना और शिल्पविधि का विवेचन कीजिए।

(vi) ऐतिहासिकता और आख्यान-कला का 'बाणभट्ट' की आत्मकथा में किस प्रकार सन्निवेश हुआ है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(vii) 'यथार्थवाद क्या है ? यथार्थवाद के निकष पर गोदान' के महत्व का निरूपण कीजिए।

(viii) पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक कहानी की समीक्षा लिखिए।

(ix) ''झूठा सच' में भारतीय पितृसत्ता के चरित्र का उद्घाटन अनेक स्तरों पर किया गया है-'' सोदाहरण व्याख्या कीजिये।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 4×10=40

(i) होरी ने झुँझला कर कहा - अब तुमसे बहस कौन करे भाई। जैजात किसी से छोड़ी जाती है कि वही छोड़ देंगें ? हमीं को खेती से क्या मिलता है ? एक आने के मजदूरी भी तो नहीं पड़ती। जो दस रुपए महीने

(viii) 'नन्हों' कहानी का अंतिम वाक्य लिखिए।

(ix) 'चीफ की दावत' में पति-पत्नी के लिए मुख्य समस्या क्या थी ?

(x) सन् 2015 किस कहानी का शताब्दी वर्ष है ?

उठाकर हिन्दुस्तान ले जायें। हिन्दुस्तान की सीमा वहाँ ही क्यों न हो।

.....उन्हें पाकिस्तान में ही रहने से कौन मना करता है ?'

3. निम्नलिखित **सभी** प्रश्नों के उत्तर अत्यंत संक्षेप में दीजिए। 1×10=10

(i) 'गोदान' में धनिया की उम्र कितनी है ?

(ii) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' का प्रकाशन वर्ष क्या है ?

(iii) 'शेखर एक जीवनी' के अतिरिक्त अज्ञेय के किसी एक उपन्यास का नाम लिखिए।

(iv) 'झूठ सच' के किसी प्रमुख स्त्री पात्र का नाम लिखिए।

(v) 'परिन्दे' में प्रमुख स्त्री पात्र का नाम लिखिए।

(vi) 'जिंदगी और जोंक' के रजुआ का असली नाम क्या था ?

(vii) काशीनाथ सिंह को किस पुस्तक पर साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला था ?

का भी नौकर है, वह भी हमसे अच्छा खाता-पहनता है, लेकिन खेतों को छोड़ा नहीं जाता। खेती छोड़ दें तो और करें क्या ? नौकरी कहीं मिलती है ? फिर मरजाद भी तो पालना ही पड़ता है। खेती में जो मरजाद है वह नौकरी में तो नहीं। इसी तरह ज़मीदारों का हाल भी समझ लो। उनकी बान को भी सैकड़ों रोग लगे हुए हैं, हाकिमों को रसद पहुँचाओ, उनकी सलामी करो, अमलों को खुश करो। तारीख पर माल गुजारी न चुका दें, तो हवालात हो जाय, कुड़की आ जाए।

(ii) किसके बल पर राह भजन-भाव और दान-धरम होता है ? ..... 'आपने बल पर'। .....नहीं, किसानों के बल पर और मजदूरों के बल पर। यह पाप का धन पचे कैसे ? इसीलिए दान-धरम करना पड़ता है, भगवान का भजन भी इसीलिए होता है। भूखे-नंगे रहकर भगवान का भजन करें, तो हम भी देखें। हमें कोई दोनों जून खाने को दे, तो हम आठों पहर भगवान का जाप ही करते रहें। एक दिन खेत में ऊख गोड़ना पड़े तो सारी भक्ति भूल जाए।

(iii)जब दूसरे के पाँवों तले अपनी गर्दन दबी हुई है, तो उन पाँवों को सहलाने में ही कुशल है।

(iv) शेखर अकेला धीरे-धीरे टहल रहा है, पेड़ों की ओर देखता हुआ। कुछ पेड़ों पर पीली सी आकाश-बेल के जाल के जाल, ढेर के ढेर पड़े हुए हैं, उन्हीं को देखता हुआ, और यह सोचता हुआ कि इन्हीं को क्यों यह अधिकार प्राप्त हुआ है कि इनकी उनकी उत्पत्ति भूमि से न हो, पैरों पर भूमि न टिके, ये सदा ऊँची रहकर हीं, दूसरों के सहारे पृथ्वी से अपना जीवन-रस खींचा करें। पर वह बहुत देर तक यह नहीं सोच सकता, उसका मन हटकर गोमती की लहरों पर काँपते हुए ताम्रवर्ण प्रकाश की ओर जाता है और वह वहीं रह जाता है।

(v) वस्तुस्थिति यह है कि आयुष्मान् की शून्यता या निरालम्ब या निर्वाण एक अनुभव-गम्य वस्तु है। भाषा की कमजोरी है कि वह उस पदार्थ को कह नहीं सकती। यह तो केवल प्रज्ञप्ति के लिए एक काम

चलाऊ शब्द व्यवहार किया गया है। तू उसके शब्दार्थ पर मत जा। मनन कर। यह मुख्य रहस्य है।..... आचार्यों ने ज्ञान का दीपक जलाया है। दीपक क्या है, इसकी ओर अगर ध्यान देगा, उसके प्रकाश से उद्‌भासित वस्तुओं को नहीं देख सकेगा, तू दीपक की जाँच कर रहा है, उससे उद्‌भासित सत्य की नहीं।

(vi) पंजाब का विभाजन करने वाली रेखा कहाँ होनी चाहिए, इस विषय पर दोनों में बहुत चर्चा होती, परन्तु उनमें भी कोई समझौता सम्भव न होता। मिर्जा पाकिस्तान की सीमा में अम्बाला और फिरोजपुर तक सम्मिलित करने के पक्ष में था। उसका तर्क था, पंजाब एक है, उसके टुकड़े नहीं होने चाहिए। महेन्द्र आपत्ति करता- 'लायलपुर, भिंटगुमरी, सरगोंधा और शेखूपूरा की शहरी आबादियों में सत्तर अस्सी प्रतिशत भूमि और आबादी सिक्खों और हिन्दुओं की है। वे पाकिस्तान में क्यों रहें। क्या वे लोग अपनी भूमि